मुनेश गुर्जर को राहत, निलंबन आदेश को हाईकोर्ट ने किया रद्द

कोर्ट ने 22 सितंबर को पुनः निलंबित करने के आदेश को अवैध माना

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार की ओर से हेरिटेज नगर निगम की मेयर मुनेश गुर्जर को गत 22 सितंबर को पुनः निलंबित करने के आदेश को अवैध बताते हुए रद्द कर दिया है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में की गई प्रारंभिक जांच को भी निरस्त करते हुए एक माह में पुनः जांच करने को कहा है। जस्टिस अनूप कुमार ढंड की एकलपीठ ने यह आदेश मुनेश गुर्जर की याचिका को स्वीकार करते हुए दिए। अदालत ने मामले में दोनों पक्षों की बहस सुनकर गत 28 नवंबर को याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि मुनेश गुर्जर के पूर्व के निलंबन आदेश के खिलाफ दायर याचिका में सरकार की ओर से नियुक्त ओआईसी को ही इस मामले में प्रारंभिक जांच अधिकारी बनाया गया। उनकी ओर से दी गई जांच

■ **अदालत ने मामले में की गई प्रारंभिक जांच को भी निरस्त करते हुए एक माह में पुनः जांच करने को कहा है**

रिपोर्ट सद्भावनापूर्वक प्रतीत नही होती है। क्योंकि उन्होंने मुनेश की ओर से दस्तावेज प्राप्त करने की अर्जी को भी उनका लिखित जवाब मानकर जांच रिपोर्ट दी गई। न्याय के नैसर्गिक सिद्धांत के अनुसार जांच अधिकारी निष्पक्ष होना चाहिए। मामले में जांच अधिकारी की ओर से की गई जांच भेदभावपूर्ण प्रतीत होती है। अतः ऐसी जांच रिपोर्ट के आधार पर की गई कार्रवाई अनुचित है। इसलिए उसे निरस्त किया जाता है।

याचिका में अधिवक्ता विज्ञान शाह ने अदालत को बताया कि राज्य सरकार ने याचिकाकर्ता का निलंबन नगर पालिका अधिनियम, 2009 की धारा 39 के प्रावधानों व तथ्यों के विपरीत जाकर किया है। उसके खिलाफ जिन तथ्यों पर जांच हुई हैं, वे एफआईआर से ही साबित नहीं हो पाए थे। इसके अलावा मामले में जांच अधिकारी नियुक्त करने का आदेश डीएलबी निदेशक ने निकाला, जबकि ऐसा आदेश राज्यपाल के निर्देशों के तहत ही जारी हो सकता है। वहीं रूल्स ऑफ बिजनेस के तहत मेयर से संबंधित किसी भी कार्रवाई का मुख्यमंत्री से अनुमोदन जरूरी है, जबकि इस मामले में निलंबन व जांच की कार्रवाई स्वायत्त शासन मंत्री के आदेश पर की गई। मामले की डीएलबी निदेशक और उप निदेशक ने अलग-अलग नोटिस जारी कर जांच कार्रवाई आरंभ की। जबकि एक ही मामले में दो जांच अधिकारी एक साथ जांच नहीं कर सकते। वहीं उप निदेशक की ओर से दी गई जांच रिपोर्ट भेदभावपूर्ण व दुर्भावनापूर्ण है, क्योंकि याचिकाकर्ता को पूर्व में निलंबन करने के खिलाफ हाईकोर्ट में पेश याचिका में उप निदेशक ही ओआईसी के तौर पर विभाग का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। वहीं राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि याचिकाकर्ता को जांच के बाद निलंबित किया गया है। वहीं रूल्स ऑफ बिजनेस बाध्यकारी नहीं है। गौरतलब है कि मेयर मुनेश गुर्जर के पति सुशील गुर्जर की ओर से नगर निगम के पट्टे जारी करने की एवज में रिश्वत मांगने से जुड़े मामले में एसीबी की कार्रवाई के बाद राज्य सरकार ने मुनेश को निलंबित किया था। इस निलंबन आदेश पर हाईकोर्ट ने रोक लगा दी थी। इसके बाद राज्य सरकार ने निलंबन आदेश वापस ले लिया था। वहीं बाद में राज्य सरकार ने जांच के बाद मुनेश गुर्जर को 22 सितंबर को पुनः निलंबित कर दिया था। इस आदेश को भी अब हाइकोर्ट ने रद्द कर दिया है।

'कांग्रेस ने हॉर्स ट्रेडिंग के लिए बेंगलुरू में रिज़ॉर्ट बुक करवाए'

जयपुर। राजस्थान विधानसभा चुनाव 2023 के परिणाम को लेकर एग्जिट पोल सामने आ गए हैं। हालांकि ज्यादातर एग्जिट पोल में भाजपा को जीता हुआ बताया गया है, लेकिन उसके साथ कुछ एग्जिट पोल में कांग्रेस को भी जीत के आंकड़े के पास में बताया है। राज्यसभा सांसद और सवाई माधोपुर से भाजपा प्रत्याशी किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि कांग्रेस ने हॉर्स ट्रेडिंग के लिए बेंगलुरु में रिजॉर्ट बुक करवा लिए हैं।

मीणा ने दावा किया कि एग्जिट पोल भले कुछ भी आए हों, लेकिन भाजपा 135 सीटों से ज्यादा के ऐतिहासिक बहुमत के साथ जीतकर आ रही है। मीणा ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पहले भी जनता के पैसों को पानी की तरह बहाया है। विधायकों को पहले भी अलग-अलग होटल में बाड़ाबंदी करके रखा और लाखों-करोड़ों रुपए उनके ऊपर खर्च किए। यह सब वह पैसे हैं, जो जनता की गाढ़ी कमाई के थे, जिन्हें मुख्यमंत्री गहलोत ने अपनी सरकार बचाने के लिए खर्च किए। मुझे करीबी लोगों से जानकारी मिली है कि निर्दलीय और कांग्रेस विधायकों को राजस्थान से बाहर भेजने की तैयारी मुख्यमंत्री अशोक गहलोत कर रहे हैं।

माँ त्रिपुरा सुंदरी का आशीर्वाद लिया सतीश पूनिया ने

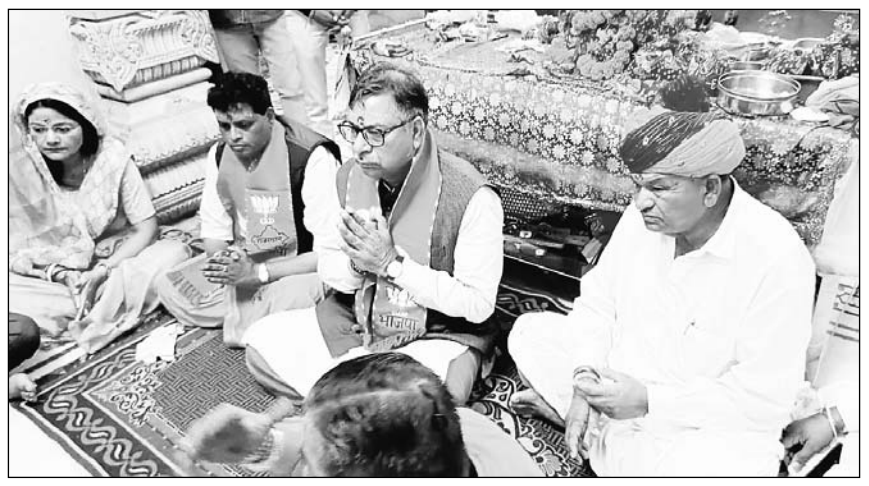

राजस्थान विधानसभा उपनेता प्रतिपक्ष एवं भाजपा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने बांसवाड़ा में माँ सुंदरी के दर्शन एवं पूजा अर्चना कर आशीर्वाद लिया। इस दौरान पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता साथ रहे। माँ त्रिपुरा सुंदरी से सतीश पूनिया ने प्रदेश, प्रदेशवासियों और देशवासियों की खुशहाली और उन्नति की कामना की है। पूनिया ने कहा कि, जनता के आशीर्वाद और माँ त्रिपुरा सुंदरी के आशीर्वाद से राजस्थान में प्रचंड बहुमत की भाजपा सरकार बनेगी, जो राजस्थान की खुशहाली और उन्नति के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य करेगी। उन्होंने कहा कि, 2024 के लोकसभा चुनाव में भी भाजपा की ऐतिहासिक जीत होगी और नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे, इस बात के लिए भी राजस्थान और पूरे देश की जनता मन बन चुकी है।

राष्ट्र विकास के लिए विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण की शिक्षा जरूरी : मिश्र

जयपुर (का.सं.)। राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा है कि राष्ट्र विकास के लिए विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण की शिक्षा सभी स्तरों पर जरूरी है। उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थान सांस्कृतिक सरोकार रखते हुए मानव मूल्यों और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखकर अपने यहां शिक्षा प्रदान करें। उन्होंने देश में स्थापित वायुसेना विद्यालयों की स्थापना के इतिहास की चर्चा करते हुए कहा कि इनमें भारतीय संस्कृति और जीवन मूल्यों से जुड़ी शिक्षा को अधिकाधिक बढ़ावा दिया जाए।

मिश्र शुक्रवार को झालाना स्थित राजस्थान इन्टरनेशनल सेंटर में वायु सेना विद्यालय के 41 वें वार्षिकोत्सव में संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि देश पर जब भी दुश्मन सेनाओं ने आक्रमण किया है, वायुसेना ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए देश का नाम रोशन किया है। उन्होंने एयरफोर्स स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों को वायुसेना की गौरवमयी परम्परा की संस्कृति से जुड़ने और जीवन में निरंतर आगे बढ़ते हुए ज्ञान की भारतीय परम्परा से प्रेरणा लेने का आव्हान किया।

राज्यपाल ने अनुशासन, अच्छी प्रबंध व्यवस्था, समय की मांग के

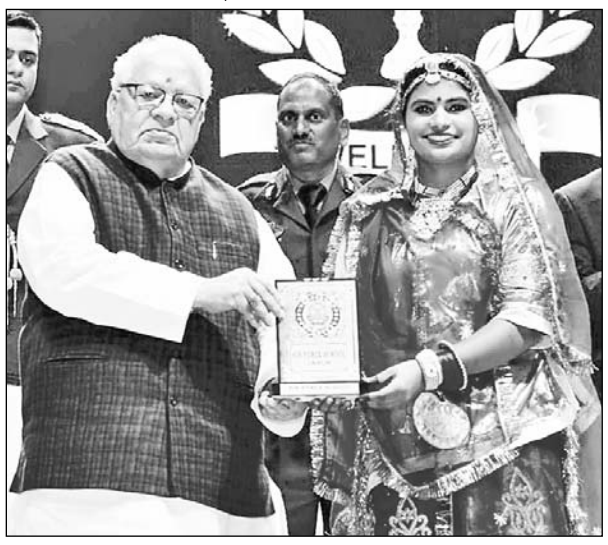

वायुसेना विद्यालय के 41 वें वार्षिकोत्सव में राज्यपाल कलराज मिश्र ने प्रतिभावान विद्यार्थियों को सम्मानित किया।

अनुसार शिक्षण सुविधाओं के विस्तार के लिए जयपुर स्थित वायु सेना स्कूल की सराहना भी की। इससे पहले उन्होंने विद्यार्थियों को संविधान की उद्देशिका का वाचन कराते हुए मूल कर्तव्य पढ़ कर सुनाए। उन्होंने प्रतिभावान विद्यार्थियों को इस अवसर पर सम्मानित किया। विद्यालय प्रबन्ध समिति अध्यक्ष ठ्रुप कैप्टन विनय भारद्वाज, विद्यालय प्राचार्या सीमा भाटी ने आयोजन के बारे में जानकारी दी। विद्यालय के विद्यार्थियों ने इस मौके पर राजस्थान के गौरव से जुड़ी गाथाओं पर विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी।

'मंदिर वहीं बन गया और तिथि भी आ गई'

जयपुर। विश्व हिंदू परिषद् की प्रांत समीक्षा बैठक जयपुर स्थित भारत माता मंदिर में संपन्न हुई जिसमें संत हरिशंकर दास ने कहा कि अब तो मंदिर जन्मस्थली पर ही बन गया है और श्री राम की मूर्ति प्रतिष्ठा की तिथि भी घोषित हो गई है। इसका श्रेय भारतीय जनता को देते हुए उन्होंने बताया कि अपने ही देश में हमको इस दिन के लिए बहुत लंबा संघर्ष करना पड़ा है, अनेक बलिदान देने पड़े हैं और अथक परिश्रम करना पड़ा है। विश्व हिंदू परिषद् के प्रांत अध्यक्ष प्यारेलाल मीणा ने बताया कि विहिप का वार्षिक धर्मरक्षा निधि संग्रह 15 से 31 दिसम्बर तक चलाया जाएगा। विहीप प्रांत मंत्री अशोक डीडवानीया ने बताया कि 22 जनवरी को भारत के प्रधानमंत्री की उपस्थिति में प्राण प्रतिष्ठा होगी एवं देश के सभी प्रांतों के कार्यकर्ताओं के लिए पृथक-पृथक दिनों में दर्शनों की व्यवस्था रहेगी।

क्या मुख्यमंत्री गहलोत अति उत्साह में हैं?

जयपुर, (का.प्र.)। राजस्थान में मतदान होने के बाद तथा एग्जिट पोल सामने आने के बाद कांग्रेस उत्साहित है। खुद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी इसी उत्साह में 2013 की तरह ही अब रिएक्ट कर रहे हैं और यही कारण है कि शुक्रवार को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मुख्यमंत्री निवास पर कई कांग्रेस उम्मीदवारों से मुलाकात की और उनसे परिणाम को लेकर फीडबैक लिया।

राजस्थान में क्या परिणाम आएंगे, यह तो 3 दिसंबर को पता चलेगा, लेकिन कांग्रेस के नेता लगातार यह कह रहे हैं कि यह जो बढ़ा हुआ मतदान है, उनके लिए फायदेमंद है और कांग्रेस इस बार रिवाज बदलते हुए फिर से सरकार बनाने वाली है। हालांकि राजनीतिक प्रेक्षक इस बात को मानने को तैयार नहीं है। भले ही अधिकांश एग्जिट पोल कांग्रेस को केट की टक्कर में मान रहे हो लेकिन राजस्थान के पत्रकार और राजनीतिक प्रेक्षक इस

■ **यही कारण है कि न सिर्फ वे सरकार बनाने का बयान दे रहे हैं, बल्कि हारने वाले उम्मीदवारों के साथ भी फोटोशूट करा रहे हैं**

एग्जिट पोल को मानने को बिल्कुल भी तैयार नहीं है।

दूसरी और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शुक्रवार को जयपुर में मुख्यमंत्री निवास पर आए कई विधानसभा प्रत्याशियों के साथ में मुलाकात की और उनसे उनके विधानसभा क्षेत्र का फीडबैक लिया। अधिकांश उम्मीदवारों ने अपनी जीत की उम्मीद जताई और यही कारण है कि कांग्रेस के नेता इसी उम्मीद में कई तरह के बयान दे रहे हैं।

वैसे आपको बताते चलें कि 2013 विधानसभा चुनाव के बाद में ना तो कहीं चर्चाओं में और ना ही कहीं एग्जिट पोल में कांग्रेस की सरकार बनती नजर आ रही थी। इसके बावजूद राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, तत्कालीन प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डॉ चंद्रभान ने कांग्रेस प्रत्याशियों से फीडबैक का कार्यक्रम रख लिया और उसके लिए तत्कालीन प्रभारी महासचिव गुरूदास कामत को भी मुंबई से जयपुर बुलाया गया था। उसके बाद फीडबैक लिया गया, तो जयपुर आए कांग्रेस के 181 उम्मीदवारों ने यही फीडबैक दिया था कि वे चुनाव जीत रहे हैं, लेकिन जब 2013 के चुनाव नतीजे आए तो भाजपा जहां बंपर बहुमत लेते हुए 163 के आंकड़े पर पहुंच गई।

वहीं कांग्रेस अपने न्यूनतम खराब प्रदर्शन के जरिए मात्र 21 सीटों पर सिमट कर रह गई। उस दौरान कहा जा रहा है कि राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को इतनी उम्मीद थी कि वह फिर से सरकार बनाएंगे। इसके लिए उन्होंने बाकायदा चार्टर विमान और हेलीकॉप्टरों की व्यवस्था कर ली थी, लेकिन वह सब परिणाम के बाद में कोई काम नहीं आई।

अभी भी कहा जा रहा है कि कांग्रेस के नेता अति उत्साह में नजर आ रहे हैं।

इसी उत्साह में न सिर्फ उम्मीदवारों से फीडबैक लिया जा रहा है, बल्कि राजस्थान सहित अन्य राज्यों जहां की कांग्रेस की सरकारें हैं, वहां रिजॉर्ट बुक करने के लिए तैयारी शुरू कर दी गई है। हालांकि राजनीतिक प्रेक्षकों का कहना है कि राजस्थान में चाहे कुछ भी एग्जिट पोल आए हो, लेकिन राजस्थान में भाजपा पूर्ण बहुमत के साथ में सरकार बनाने की स्थिति में आएगी और कांग्रेस बहुमत से काफी दूर रुक जाएगी।

प्रदेश में 700 करोड़ रुपए की जब्ती का आंकड़ा पार

जयपुर (का.सं.)। विधानसभा आम चुनाव- 2023 के मद्देनजर निर्वाचन विभाग के निर्देश पर प्रदेश में विभिन्न एनफोर्समेंट एजेंसियों द्वारा आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद से अब तक 703 करोड़ रुपए मूल्य की अवैध नकदी और अवैध सामठी जब्त की गई है। प्रदेश में गत विधानसभा आम चुनाव में पूरी आचार संहिता के दौरान की गई जब्ती के मुकाबले अब तक दस गुना बढ़ोतरी हो चुकी है। विधानसभा चुनाव- 2018 के दौरान आदर्श आचार संहिता की अवधि में प्रदेश में कुल 70.8 करोड़ रुपए मूल्य की जब्ती की गई थी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने शुक्रवार को बताया कि प्रदेश के 14 जिलों में अलग-अलग एजेंसियों की ओर से अब तक 20 करोड़ रुपए से अधिक की जब्ती की गई है। चुनाव आयोग के निर्देशों के अनुसार राजस्थान में अवैध नकदी, शराब और अन्य वस्तुओं का प्रवाह रोकने के लिए आदर्श आचार संहिता के दौरान चलाए गए अभियान में अब तक राजस्थान पुलिस 443.80 करोड़ रुपए मूल्य की जब्ती कर चुकी है। आयकर विभाग ने 72.50 करोड़ रुपए मूल्य की नकदी और सामठी जब्त की है, जबकि राज्य आबकारी विभाग एवं राज्य जीएसटी विभाग द्वारा क्रमशः 18.65 करोड़ रुपए एवं 117.13 करोड़ रुपए मूल्य की जब्ती की गई है। गुप्ता ने बताया कि जयपुर 110 करोड़ 47 लाख रुपए के सीजर के साथ प्रदेश में सबसे आगे है। यहां 19 करोड़ 17 लाख रुपए की अवैध नकदी, 16 करोड़ 83 लाख रुपए मूल्य का सोना-चांदी एवं अन्य बहुमूल्य धातुएं, 71 करोड़ 11 लाख रुपए की अन्य वस्तुएं, एक करोड़ 77 लाख रुपए की ड्रग्स और एक करोड़ 57 लाख रुपए की अवैध शराब जब्त की गई है।

विश्व एड्स दिवस पर शॉर्ट फिल्म "जिद्दी" की स्क्रीनिंग

जयपुर। अरावली मोशंस सोसायटी व मनसंचार समूह की ओर से शुक्रवार को मानसरोवर स्थित अनुकम्पा परिसर के कलाकार फैक्ट्री स्टूडियो में शॉर्ट फिल्म "जिद्दी" की स्क्रीनिंग आयोजित की गई। ये फिल्म एड्स की रोकथाम पर आधारित है। जिसके माध्यम से समाज को जागरूक करने का प्रयास किया गया है। दरअसल, यह फिल्म इस वर्ष के वर्ल्ड एड्स डे की थीम लैट कम्यूनिटीज लीड को आधार रखकर बनाई गई है। इस थीम को चुनने का उद्देश्य भी यही है कि समाज एड्स के प्रति जागरूक बनें। साथ ही इसे बनाने का एक अन्य उद्देश्य उन लोगों की भी सराहना करना है जिन्होंने किसी भी रूप में एड्स के बचाव में सहयोग प्रदान किया है।

पी.एच.क्यू. में डॉ. समित शर्मा ने अपनी पुस्तक का प्रस्तुतिकरण दिया

जयपुर। पुलिस मुख्यालय में शुक्रवार को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के शासन सचिव डॉ. समित शर्मा ने ई-गवर्नेंस का उपयोग करके पुलिस द्वारा आमजन को लाभ पहुंचाने के लिए अपनाए जा सकने वाले तरीकों के बारे में प्रस्तुतिकरण दिया।

महानिदेशक पुलिस उमेश मिश्रा ने कहा कि पुलिस द्वारा सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग करके आमजन को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकती हैं। डॉ. समित शर्मा ने अपनी पुस्तक सामाजिक क्षेत्र में डिजिटल क्रांति के युग की शुरुआत पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि इस पुस्तक में ई-गवर्नेंस३ा का उपयोग करके आमजन को लाभ पहुंचाने के लिए अपनाए गए तरीकों के बारे में बताया गया है।

डॉ. समित शर्मा ने बताया कि हम डिजिटल ट्रांसफॉरमेशन के युग में प्रवेश कर चुके हैं और इस डिजिटल इकोसिस्टम से पंक्ति के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक को लाभान्वित किया जा सकता है। आर्टिफिशियल

पुलिस मुख्यालय में शुक्रवार को पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा ने डॉ.समित शर्मा को गुलदस्ता देकर स्वागत किया।

इंटेलिजेंस, फेस रिकॉग्निशन टेक्निक, मेटा डेटा बेस्ड ऑटो अप्रूवल, चैट बॉट, डीप डेटा एनालिसिस, प्रिडिक्टिव एनालिटिक्स आदि की अत्यधिक उपयोगिता हैं। इस अवसर पर डीजीपी कानून व्यवस्था राजीव शर्मा, एडीजी ट्रेनिंग मालिनी अग्रवाल, आईजी शरत कविराज व प्रफुल्ल कुमार सहित 50 वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

'एड्स रोगियों से भेदभाव नहीं करने का संदेश दिया'

डॉक्टर सोशल एंड वेलफेयर सोसाइटी ने शुक्रवार को एड्स जन चेतना कार्यक्रम में जागरूकता पोस्टर का विमोचन किया।

जयपुर। डॉक्टर सोशल एंड वेलफेयर सोसाइटी ने जयपुर में एड्स जन चेतना कार्यक्रम जरिए एड्स रोगियों से भेदभाव न करने का संदेश दिया है।

डॉक्टर सोशल एंड वेलफेयर सोसाइटी के चेयरमैन शिवराज सिंह ने बताया कि 1 दिसंबर को सोसाइटी के तत्वावधान में जयपुर क्लब में विश्व एड्स दिवस के उपलक्ष्य में एड्स जन चेतना कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में जयपुर के जाने-माने डॉक्टरों ने भाग लिया तथा एड्स के बचाव व उसके प्रति जागरूकता का संदेश दिया। कार्यक्रम के संयोजक डॉक्टर अनुराग शर्मा ने एड्स रोगियों से भेदभाव न करने का संदेश दिया।

जयपुर के कई जाने-माने चिकित्सक डॉ. राम गुलाटी, डॉ. अभिषेक अग्रवाल, डॉ. माया बागड़ी, डॉ. नरेश सोमानी, डॉ. मुकेश सारना, डॉ. अखिलेश जैन, डॉ. विपिन जैन, डॉ. संजय पावाह, डॉ. मणिकांत ने अपने वीडियो संदेश के माध्यम से एड्स की बीमारी और इलाज के प्रति लोगों में जो भ्रांतियां है उन्हें दूर करने का प्रयास किया।

ट्रिपल मर्डर के आरोपी की तलाश

जयपुर। मालवीय नगर के झालाना स्थित खटीकों के मोहल्ले में हुए ट्रिपल मर्डर के मामले में पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी है। पुलिस टीमें उसकी जयपुर के अलावा एमपी और गुजरात में भी तलाश कर रही हैं। पुलिस ने बताया कि पुलिस के अलावा स्पेशल टीमें आरोपी के ठिकानों पर दबिश दे रही है। पुलिस की आधा दर्जन से अधिक टीमें गुजरात और मध्यप्रदेश उसकी तलाश कर रहीं है। उधर आरोपी शिव प्रताप तोमर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर गुरुवार देर शाम करीब 7 बजे अपने अकाउंट से एक स्टोरी अपलोड की। जिसमें आरोपी शिव प्रताप ने जयपुर पुलिस को चुनौती देते हुए लिखा था कि हम बदला लेना जानते हैं। आरोपी शिव प्रताप तोमर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर हॉरर मूवी के एक कैरेक्टर की फोटो की खंजर के साथ बनाकर डीपी लगा रखी है। यह फोटो साल 1993 में रिलीज हुई 'खिलौना बना खलनायक' फिल्म की जैसी दिख रही है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने मतगणना की तैयारियों का निरीक्षण किया

जयपुर (का.सं.)। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने शुक्रवार को विधानसभा चुनाव-2023 के लिए आगामी 3 दिसंबर को होने वाली मतगणना के लिये की जा रही तैयारियों का आकस्मिक निरीक्षण किया और जिला निर्वाचन अधिकारी को आवश्यक निर्देश दिये।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने शुक्रवार को जयपुर में राजस्थान कॉलेज एवं कॉमर्स कॉलेज स्थित मतगणना स्थल पहुंचकर आकस्मिक निरीक्षण किया। गुप्ता ने यहां ईवीएम की सुरक्षा व्यवस्था के बारे में जानकारी प्राप्त की। जयपुर जिला निर्वाचन अधिकारी प्रकाश राजपुरोहित ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी गुप्ता को मतगणना की तैयारियों और सुरक्षा व्यवस्था के बारे में अवगत कराया।

गुप्ता ने यहां जयपुर जिले के 19 विधानसभा क्षेत्रों के लिए होने वाली मतगणना हेतु की जा रही तैयारियों का निरीक्षण किया। विधानसभा क्षेत्रवार बनाए गए मतगणना कक्षों में जाकर तैयारियों का जायजा लिया। साथ ही डाक मतपत्रों की गणना के लिए की जा रही व्यवस्थाओं को भी देखा। मतगणना

मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने शुक्रवार को विधानसभा चुनाव-2023 के लिए 3 दिसंबर को होने वाली मतगणना के लिये की जा रही तैयारियों का आकस्मिक निरीक्षण कर जिला निर्वाचन अधिकारी को आवश्यक निर्देश दिये।

टेबलों, मतगणना कार्य में संलग्न कार्मिकों की संख्या, सुरक्षा व्यवस्था आदि के बारे में जानकारी ली। उन्होंने स्ट्रॉन्ग रूम की सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया। गुप्ता ने मतगणना स्थल पर स्ट्रांग रूम की सीसीटीवी के माध्यम से निगरानी के लिये बनायी गई व्यवस्था को भी देखा। उन्होंने मतगणना तिथि को मतगणना कार्य में लगे अधिकारियों सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं में लगे सभी कर्मचारियों को भी पास जारी करने के निर्देश दिए।

राजस्थान में इस बार थर्डजेंडर ने दिखाई ताकत

जयपुर। राजस्थान में हुए इस बार के चुनाव में थर्डजेंडर्स ने बड़ा खेल किया है। इस बार प्रदेश की करीब 50 विधान सभा सीटों पर 348 ने मतदान किया है। राजस्थान की कई विधान सभा सीटों पर लगभग थर्डजेंडर मतदाता नहीं हैं लेकिन इसके साथ ही थर्डजेंडर ने पहली बार 50 विधान सभा सीटों पर जमकर मतदान किया है। एक तरफ जहां 199 सीटों पर कुल 74.62 प्रतिशत मतदान हुआ है। उसमें इन थर्डजेंडर की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। इस वोटिंग में महिलाओं ने 74.71 प्रतिशत मतदान किया है। मगर, पुरुषों की वोटिंग प्रतिशत 74.53 रहा है। वहीं, 348 थर्ड जेंडर ने भी वोट डाले हैं। प्रदेश की 200 सीटों में से 153 सीटों पर कुल 614 थर्डजेंडर हैं, इस प्रकार से 56. 67 प्रतिशत थर्डजेंडर ने वोट दिया है। जयपुर में इसके लिए चुनाव आयोग ने कई कार्यक्रम भी किये हैं। उसका असर यहां पर दिखा भी है। इसके बड़े संकेत आ रहे है। इन सीटों पर मतदान किया उनमे सूरतगढ, भादरा, सादुलपुर, तारानगर, चुरू, रतनगढ, सुजानगढ़, किशनपोल, सरदारपुरा 219 आमेर, झोटवाडा, फुलेरा, शाहपुरा, नीमकाथाना, धोद, महुआ, बांदीकुई, अलवर शहर 18 बसेडी, बयाना, डींग कुम्हेर, नगर, बानसूर, जैतारण, मेडता, डीडवाना, जोधपुर लाडनूं, केकडी, मसूदा, नसीराबाद, अजमेर दक्षिण, किशनगढ, देवली सिविल लाइंस 15 उनियारा, बामनवास, भीनमाल, चौहटन, बाडमेर, ओसियां, लोहावट, अजमेर उत्तर 15 सुमेरपुर, भीम, कपासन, धरियावद, सलूंबर, मनोहर थाना, बारां अटरू, उत्तर कोटा 13 किशनगंज, बूंदी, केशवरायपाटन, शाहपुरा, सहाडा, मांडल विधानसभा रायसिंह नगर 12 सीटों पर सभी थर्ड जेंडर ने वोट दिया है। इन सीटों जोरदार तरीके से वोटिंग हुई है।

इन सीटों पर कम मतदान हुआ जिनमे डूंगरपुर, घाटोल, गढ़ी, जालौर, सूरसागर, भीलवाड़ा बिलाडा, सिवाना, जालौर, सिरोही, नावां टोडाभीम, राजाखेड़ा, पाली लूणकरणसर विधानसभा क्षेत्रों में वोट करने नहीं गए। इन सीटों पर कम प्रतिशत मतदान हुआ है। इसे बहुत बड़े बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। जयपुर में कई थर्डजेंडर ने इसके लिए अभियान भी चलाया है। जिसका असर भी इन चुनावों में प्रभाव भी दिखा है।

एड्स से प्रभावित लोगों के प्रति संवेदनशील बनने को प्रेरित किया

"रेज़-आशा की एक किरण" एनजीओ ने शुक्रवार को वॉकथॉन के जरिए एड्स पीड़ितों के प्रति संवेदनशील रहने का संदेश दिया।

जयपुर (का.सं.)। जयपुर के एनजीओ "रेज़-आशा की एक किरण" द्वारा पॉजिटिव युवा नेटवर्क एसोसिएशन और मनो मैट्रिक्स के सहयोग से जवाहर सर्किल पर शुक्रवार को वॉक फॉर ए कॉज वॉकथॉन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में एनजीओ के बच्चों सहित विभिन्न पृष्ठभूमि के करीब 400 लोगों ने इस महत्वपूर्ण कॉज के समर्थन में एकजुट होकर एकता और प्रतिबद्धता की भावना का संदेश दिया। रेज एनजीओ के सह-संस्थापक कैप्टन गुरिंदर विर्क ने बताया कि यह आयोजन एड्स के खिलाफ लडाई में लोगों को एकजुट करने और जागरूकता फैलाने के लिए किया था।

वॉकथॉन एचआईवी/एड्स से प्रभावित लोगों के प्रति आमजन को संवेदनशील बनाने की दिशा में एक प्रयास था, ताकि समाज एचआईवी संक्रमित लोगों के साथ भेदभाव नहीं, बल्कि उन्हें समझे और स्वीकार करें। यह आयोजन मिथकों को दूर करने, शिक्षा को बढ़ावा देने और आपसी समर्थन और समझ का माहौल बनाने के लिए था।